



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	30.7.24	4	1

# THE TIMES OF INDIA

## Haryana, SA varsities discuss millet crop

**Hisar:** The delegations of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) and KwaZulu-Natal University of South Africa held a meeting on various ambitious topics under the chairmanship of the vice chancellor of CCSHAU Prof BR Kamboj. Kamboj said that both the universities would cooperate in the field of millet cultivation and processing technology. These crops are very important for both the countries from the point of view of nutritional security. These crops can be grown even with less resources, he said.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देविति मासिक	३०-७-२५	३	३-६

• दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर पहुंचा एचएयू  
**एचएयू और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत  
किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज**

भारतरन्ध्र | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लैकर बैठक की। विवि के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी कॉलेज में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। कुलपति प्रो. बीआर.

काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मेंटे अनाज मिलेट्स की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलों दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ अनुसंधान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की।



प्रो. बीआर काम्बोज के साथ मीटिंग करते दक्षिण अफ्रीका से पहुंचा प्रतिनिधिमंडल।

### आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका को भी फायदा होगा : प्रो. ओजोंग

दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकीयों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र और

विश्वविद्यालय के 'अर्निंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की। अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल का एचएयू में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़ मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एन्डिक्यूलर जागरूकता	२३०- ७.२४	५	२-५

## हकृति और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी किस्मों में करेंगी सहयोग

जागरण संवाददाता • हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न विषयों को लेकर बैठक की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डा. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे।

कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेटस के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में बढ़ि होगी और एचएयू में बाजरा उत्कृष्टता केंद्र यहां विकसित उत्पादों से किसानों खासकर महिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए। ● पीआरओ

### दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल ने हकृति सहित विभिन्न स्थलों का किया दौरा

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक

विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा

उत्कृष्टता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा डा.

मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा

किया। इन संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतारी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ अनुसंधान, इयूल डिप्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आवान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की। दक्षिण अफ्रीका

के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र 'अनिंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डा. एसके पाहुजा ने दक्षिण

अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हकृति में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढाँगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. केडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डा. राजेश गोरा, परियोजना डायरेक्टर डा. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र के निदेशक डा. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डा. महाबीर सिंह व बागवानी विभाग, से हिंदेश अग्रवाल मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘उमर’ उत्तरा	३०-७-२५	६३	१-५

शिक्षा

एचएयू पहुंचा दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधिमंडल, कुलपति प्रो. कांबोज गोले- प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे

## एचएयू-क्वाज़ुलू यूनिवर्सिटी मिलकर करेंगे मोटा अनाज में शोध

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और दक्षिण अफ्रीका की क्वाज़ुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल के बीच सोमवार को हिसार में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान समझौता हुआ कि एचएयू और क्वाज़ुलू यूनिवर्सिटी मिलकर मोटा अनाज में शोध करेंगे।

दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिकारी प्रो. विवियन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री



एचएयू में आयोजित बैठक में दक्षिण अफ्रीका की क्वाज़ुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। साथ में हैं अन्य वैज्ञानिक। शोत: संस्थान

चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलटेस) मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्टेटी, क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए कुलपति प्रो. कांबोज ने बताया कि दोनों बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन फसलों को कम

संसाधनों में उगाया जा सकता है। मवका, गन्ना, आलू, बाजरा जैसी कई फसलें हैं, जो भारत के अलावा दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोतारी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियाँ और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्चस्तरीय कार्य कर रहा है। इस मौके पर अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा आदि मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरो	२०.७.२५	५	३५

## दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल ने किया हृकृषि का दैरा

हृकृषि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उज्ज्ञत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग: प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दैरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीवे शामिल रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनुज (मिलेट्स) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन फसलों को कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए। कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसंधान, इयूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीक के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोंग ने बताया कि जलवाय परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि

अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एस. के. पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हृकृषि में पहुंचने पर स्वागत किया।

बहीं दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दौरे में	30.7.24	५	७८

### हरिभूमि



**हिसार।**  
 कुलपति प्रो.  
 बीआर काम्बोज  
 दक्षिण अफ्रीका  
 प्रतिनिधिमंडल  
 के साथ  
 बातचीत  
 करते हुए।

### एचएय व दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीक में करेंगे सहयोग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी ने उन्नत किस्मों व तकनीकों में सहयोग का निर्णय लिया है। यह निर्णय हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दौरे पर आए विशेष प्रतिनिधिमंडल की कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। दक्षिण अफ्रीका से आए प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों पर बैठक की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवीयन ओजोग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायश्री चिलसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, मीडिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेट्स) की खेती और प्रसंकरण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अग्रीत समाचार	३०.७.२६	४	३-६

# हक्किंग और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किसमें व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 29 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा) :  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कवाजुलू यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक अंयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. मायाश्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व मंडला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लोटी, मैटिया प्रतिनिधि तेज मोथीबे शामिल रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेट्स) की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन फसलों को



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए।

कम संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेट्स के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी और एचएयू में बाजरा उत्कृष्टता केंद्र यहां विकसित उत्पादों से किसानों, खासकर महिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसंधान,

इयूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग को लेकर चर्चा की। दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवियन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियां और उत्तर कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र और विश्वविद्यालय के

'आनिंग व्हाइल लानिंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की। अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एस्के. पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हक्किंग में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केंडी शर्मा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा, परियोजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महाबीर सिंह व बागवानी विभाग, हरियाणा से हितेश अग्रवाल मौजूद रहे। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.07.2024	---	--

# हक्किं और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कावज़ुल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वांकित विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिकारी प्रो. विवेक ओजोंग, निदेशक प्रो. हम्पन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. भायाश्री चिनमार्म, दक्षिण अफ्रीका के नेट्सन मंडला विश्वविद्यालय से मोट्स मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योहान स्टेन्ट, मीडिया प्रतिनिधि तेज माथेव शामिल रहे।

कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने विकासित उत्पादों से किसानों खासकर अनुसंधान, इयूल डिग्री कार्यक्रम, छाव्र व

शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं ओएसडी डॉ. अरुल द्वांगड़ा, स्नातकोत्तम शीक्षणिक गतिविधियों पर परस्पर सहयोग अधिकारी डॉ. कंडी शर्मा, अतिरिक्त को लेकर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका के कावज़ुल विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिकारी प्रो. विवेक ओजोंग ने बताया कि जलवाया परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्ट्रेंगरी ज्ञान प्रणालियां और उत्तम कृषि प्रौद्योगिकियों में एचाएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचाएयू के बाजरा उक्षेत्रों को देखा और विश्वविद्यालय के 'अनिंग व्हाइल लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की।

फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने हक्किं सहित विभिन्न स्थलों का किया दौरा। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने योग्य अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हक्किं में अवसर पर पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर से महत्वपूर्ण जानकारीया प्राप्त की।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	29.07.2024	---	--

# हकूमि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. काम्बोज

पांच बजे व्याप

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की क्रान्तिकारी यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. चौधरी काम्बोज की अश्वकता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिव्योदय द्वारा पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मार्गीकरी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिकारी डॉ. विकेन्द्र ओजोग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटाइजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदैरी जान प्रणालियां और उच्च तकनीकीय प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उच्कृष्टता केन्द्र और विश्वविद्यालय के 'अनिंग ब्रह्मदत्त लर्निंग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की।



बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज महिला किसानों को उद्यमी बनाने में

(मिलिट्स) की खेती और प्रसंस्करण औपरियोगी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण करेंगे। योग्य मुश्का के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों कि मक्का, गन्ना, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उआई जाती है। इन फसलों को कम सम्पादन में भी उआया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलिट्स के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में बढ़दू लेंगी और एचएयू में बाजरा उच्कृष्टता केंद्र यहाँ विकसित उत्तरांश में किसानों, खासकर

अनुसंधान, इयूनिवर्सिटी कार्यक्रम, छात्र व

ओएसीडी डॉ. अमूल ढीगड़ा, स्नातकोत्तर अधिकारी डॉ. केंद्री शर्मा, अलिरिजन अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गोरा,

परियोजना डाक्टरेटर डॉ. मुंद्र घनखड़, दीन द्वाल उपाध्याय जैविक खेती उच्कृष्टता केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महावीर निंबा व बागवान विभाग, हरियाणा में हितेश अग्रवाल मौजूदे हैं।

दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधिमंडल ने हकूमि समृद्धि विभिन्न मृद्यलों का किया दाव:

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने प्रोफेक्ट अनुसंधान केन्द्र, गोकलतुरुग (भियानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उच्कृष्टता केन्द्र, दीन द्वाल उपाध्याय जैविक खेती उच्कृष्टता केन्द्र तथा डॉ. मंगलसंग विभाग संयुक्ततय का दोग कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियों प्राप्त की।



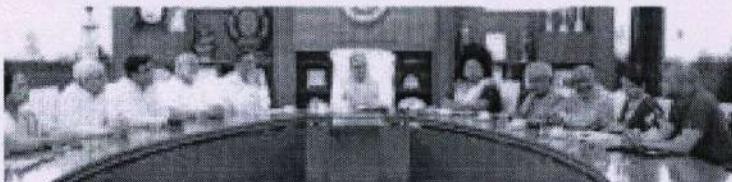
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	30.07.2024	---	--

## हक्कि और दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी उन्नत किस्मों व तकनीकों में करेंगे सहयोग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार टुडे | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं दक्षिण अफ्रीका की कलाजुल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में विभिन्न महत्वाकांक्षी विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित की। विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरे पर आए दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवेदन ओजोंग, निदेशक प्रो. हसन काया, विज्ञान विभाग की शोध प्रबंधक डॉ. माया श्री चिनसामी, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला विश्वविद्यालय से साइंस मिशन के पूर्व मुख्य निदेशक प्रो. योनाह स्लेटी, भार्डिंग प्रतिनिधि तेज मोथीवे शमिल रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय मोटे अनाज (मिलेटस) की खेती और प्रसंस्करण प्रैशोगिकों के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। पोषण सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त फसलें दोनों देशों के



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठकीय करते हुए

लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन फसलों को कभ संसाधनों में भी उगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मिलेटस के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में बढ़ी होगी और एचएयू में बाजरा उत्पादन केंद्र वहां विकसित उत्पादों से किसानों, खासकर माहिला किसानों को उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मक्का, गेहा, आलू और बाजरा जैसी कई फसलें हैं जो भारत के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका में भी उगाई जाती हैं। इन फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी करने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसंधान, इकूल डिग्री कार्यक्रम, छात्र

व शिक्षक आदान प्रदान, प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर यरसपर सहयोग को लेकर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका के कलाजुल विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. विवेदन ओजोंग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, डिजिटलजेशन, सामुदायिक विज्ञान, स्वदंशीज्ञान प्रणालियां और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों में एचएयू उच्च स्तरीय कार्य कर रहा है एवं इस आपसी सहयोग से दक्षिण अफ्रीका के लोगों को भी फायदा होगा। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधियों ने एचएयू के बाजरा उत्पादन केंद्र और विश्वविद्यालय के 'आर्मिंग क्लाइल लॉन्ग' जैसे कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की। अनुसंधान निदेशक एवं नोडल अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल का हक्कि में पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवधि पर ओएसडी डॉ. अतुल ढीमड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शमा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. गजेश गेगा, परिवाजना डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र धनखड़, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्पादन केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. माहबूर मिंह व बागवानी विभाग, हरियाणा से हितेश अग्रवाल भी जूद रहे। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मंडल ने योग्य अनाज अनुसंधान केन्द्र, गोकलपुरा (भिवानी), सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्पादन केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्पादन केन्द्र तथा डॉ. मंगलसेन कृषि संशोधन का दौरा कर संबंधित संस्थानों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।